



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 278]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 19, 2015/आश्विन 27, 1937

No. 278]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 19, 2015/ASVINA 27, 1937

गृह मंत्रालय

निघन-सूचना

नई दिल्ली, 19 अक्टूबर, 2015

**सं. 3/4/2015-पब्लिक.—**भारत के राष्ट्रपति को, मणिपुर के राज्यपाल, डॉ. सैय्यद अहमद की दिनांक 27 सितम्बर, 2015 को मुम्बई में मृत्यु होने की दुखद सूचना प्राप्त हुई है। डॉ. सैय्यद अहमद की मृत्यु होने के कारण देश ने एक प्रतिष्ठित राजनेता, लेखक एवं प्रशासक को खो दिया है।

2. डॉ. सैय्यद अहमद का जन्म 6 मार्च, 1945 को हुआ था। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से हिन्दी एवं अंग्रेजी में दो बार स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की थी एवं मुम्बई विश्वविद्यालय से उर्दू में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की थी। उन्होंने वर्ष 1977 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल होकर अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। वे मुम्बई के नागपाड़ा विधानसभा क्षेत्र से पांच बार प्रतिनिधि चुने गए। उन्होंने वर्ष 1986 और 1991 के बीच महाराष्ट्र में विभिन्न मंत्रालयों में राज्य मंत्री के रूप में भी कार्य किया।

3. डॉ. सैय्यद अहमद ने अध्यक्ष, महाराष्ट्र राज्य हज्र कमेटी (2001-2006), सदस्य, सैन्ट्रल हज्र कमेटी (1985-1988 एवं 2001-2006) एवं सदस्य, सैन्ट्रल वक्फ काउंसिल, भारत सरकार के सम्मानित पदों पर कार्य किया। उन्होंने अध्यक्ष, महाराष्ट्र कल्याण केन्द्र, मुम्बई; अध्यक्ष, सबीरा नकी एजुकेशन सोसायटी, उत्तर प्रदेश; अध्यक्ष, तमीरी इदारा, उत्तर प्रदेश; अध्यक्ष, अवध कलचरल सोसायटी, मुम्बई; अध्यक्ष, सैय्यद एण्ड सैय्यद एजुकेशनल ट्रस्ट, मुम्बई एवं संरक्षक, ग्रीन मुम्बई मूवमेंट, मुम्बई के रूप में भी कार्य किया।

4. डॉ. सैय्यद अहमद ने 04 सितम्बर, 2011 को झारखंड के राज्यपाल के रूप में शपथ ली एवं 16 मई, 2015 तक इस पद पर सुशोभित रहे। उन्होंने 16 मई, 2015 को मणिपुर के राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

5. डॉ. सैय्यद अहमद ने साहित्यिक एवं ऐतिहासिक महत्व के उर्दू पुस्तकों, जैसेकि द रिवोल्यूशनरी कैरेक्टर ऑफ उर्दू पोएट्री (1857 ई. से 1947 ई.), कलेक्शन ऑफ एसेज ऑन द रोल ऑफ मुस्लिमस इन स्ट्रगल फॉर फ्रीडम, कलेक्शन ऑफ एसेज ऑन द रोल ऑफ उर्दू इन स्ट्रगल फॉर फ्रीडम एवं पगडंडी से शहर तक नामक आत्मकथा, मकतल से मंजिल, कफास से चमन, जंगे-आजादी में उर्दू शायरी, की रचना की।

6. डॉ. सैय्यद अहमद अपने पीछे परिवार में अपनी पत्नी, सुपुत्र, दो सुपुत्रियों एवं मां को छोड़ गए।

अनूप कुमार श्रीवास्तव, सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS****OBITUARY NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th October, 2015

**No. 3/4/2015-Public.**—The President of India has learnt with deep regret, about the sad demise of Dr. Syed Ahmed, Governor of Manipur on September 27, 2015 at Mumbai. The death of Dr. Syed Ahmed has deprived the country of a distinguished politician, author and administrator.

2. Born on March 6, 1945, Dr. Syed Ahmed obtained Master's Degree twice in Hindi and English from Lucknow University and Doctorate in Urdu from Bombay University. He started his political career by joining the Indian National Congress in 1977. He was elected for the Vidhan Sabha on five occasions as a representative of the Nagpada constituency in Mumbai. He also served as a Minister of State in Maharashtra in different capacities in the year 1986 and 1991.

3. Dr. Syed Ahmed held the positions of Chairman, Maharashtra State Haj Committee (2001-06), Member Central Haj Committee (1985-88 & 2001-06) and Member, Central Wakf Council, Government of India. He also held the positions of President, Maharashtra Welfare Centre, Mumbai; President, Sabira Naqi Education Society, UP; President, Tameeri Idaara, UP; President, Awadh Cultural Society, Mumbai; President, Sayed & Sayed Educational Trust, Mumbai and Patron Green Mumbai Movement, Mumbai.

4. Dr. Syed Ahmed was sworn in as the Governor of Jharkhand on September 4, 2011 and remained there till May 16, 2015. He was sworn as Governor of Manipur on May 16, 2015.

5. Dr. Syed Ahmed authored Urdu books of literary and historical relevance such as The Revolutionary Character of Urdu Poetry (1857 A.D. to 1947 A.D.), Collections of Essays on the role of Muslims in Struggle for Freedom, Collection of Essays on the Role of Urdu in Struggle for Freedom and auto-biography "Pagdandi Se Shahar Tak", Maktal se Manzil, Kafas se Chaman, Jange-Azaadi me Urdu Shayari.

6. Dr. Syed Ahmed is survived by his wife, son, two daughters and mother.

ANOOP KUMAR SRIVASTAVA, Secy.